

# न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, हिण्डौन जिला करौली

मुकदमा नं० 87 / 2025

तारीख रजू:- 30.05.2025

पीठासीन अधिकारी :- हेमराज गुर्जर

R.A.S.

- |             |  |                                 |
|-------------|--|---------------------------------|
| 1. दीपचन्द  |  | पिसरान रामकिशन जाति जाटव,       |
| 2. पप्पूराम |  | निवासी ग्राम सूरौठ, तहसील सूरौठ |
| 3. रामेश्वर |  | जिला करौली राजस्थान।            |

—सायलान

## **बनाम**

1. सुगनबाई पत्नि मंगतीराम जाति जाटव निवासी ग्राम सूरौठ तहसील सूरौठ जिला करौली
2. विजेन्द्र पुत्र पूरनमल जाति जाटव निवासी ग्राम सूरौठ तहसील सूरौठ जिला करौली
3. घनश्याम पुत्र पूरनमल जाति जाटव निवासी ग्राम सूरौठ तहसील सूरौठ जिला करौली
4. मुकेश पुत्र पूरनमल जाति जाटव निवासी ग्राम सूरौठ तहसील सूरौठ जिला करौली
5. श्रीमती पुष्पा पुत्री पूरनमल पत्नि भगवानसिंह जाति जाटव निवासी ग्राम सूरौठ हालनिवासी ग्राम किरवाडा तहसील श्रीमहावीरजी जिला करौली राजस्थान।
6. स्टेट ऑफ राजस्थान जरिये लैण्ड होल्डर श्रीमान तहसीलदारजी तहसील सूरौठ जिला करौली राजस्थान।

—गैरसायलान

## **प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा**


उपस्थित :-1. सीताराम गुर्जर एडवोकेट सायलान

2. नरेन्द्र सिंह जादौन एडवोकेट गैरसायल सं०1, 4

## **निर्णय**

दिनांक :- 27.10.2025

प्रकरण के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार हैं कि सायलान ने प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा विरुद्ध गैरसायलान पेश कर प्रार्थना पत्र के मद नं. 1 में दर्ज किया है कि सायलान ने गैरसायलान के विरुद्ध उक्त उनवानी दावा बाबत भूमि विभाजन व स्थाई निषेधाज्ञा मजबूत आधारों के साथ पेश कर दिया है जिसमें सायलान को सफलता मिलने की पूरी-पूरी संभावना है।

  
उपखण्ड अधिकारी  
हिण्डौन सिटी ( करौली )

प्रार्थना पत्र के मद नं. 2 में दर्ज किया है कि भूमि खाता संख्या नया 897, पुराना खाता संख्या 823 आराजीयात खसरा नम्बर 2242 रकवा 0.35 हैक्टेयर किस्म नहरी-2, खसरा नम्बर 2243 रकवा 0.42 हैक्टेयर, किस्म नहरी-2, कुल किता 2 कुल रकवा 0.77 हैक्टेयर ग्राम सूरौठ तहसील सूरौठ जिला करौली (राज०) में स्थित है जिसमें प्रत्येक सायलान का 1/6-1/6-1/6 हिस्सा व गैरसायल नं० 1 का 1/4 हिस्सा व गैरसायल संख्या 2 लगायत 5 की माता मृतका लक्ष्मी देवी पत्नि पूरनमल का 1/4 हिस्सा दर्ज राजस्व रिकॉर्ड जमाबंदी सम्वत 2071 से 2074 है।

प्रार्थना पत्र के मद नं. 3 में दर्ज किया है कि आराजीयात वर्णित मद नं० 02 प्रार्थनापत्र पक्षकारान् मुकदमा सायलान व गैरसायलान की सहखातेदारी व कब्जेकाश्त उपभोग उपभोग की भूमि है, कि जिस पर पक्षकारान् मुकदमा राजस्व रिकॉर्ड जमाबंदी में दर्ज अपने-अपने हिस्सेअनुसार बाहमी बटवारे के आधार पर काबिज होकर वदस्तूर कास्त कर उपयोग उपभोग करते चले आ रहे हैं, परन्तु भूमि का विधिवत विभाजन नहीं हुआ है।

प्रार्थना पत्र के मद नं. 4 में दर्ज किया है कि राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज खातेदार लक्ष्मी देवी पत्नि पूरनमल का अर्सा करीब एक वर्ष पूर्व देहावसान हो गया है. गैरसायल संख्या 2 लगायत 5 मृतका लक्ष्मी देवी के वारिसान एवं कायम मुकामान है कि जो उसके तर्फे पर काबिज व दखिल है इसलिये उन्हें प्रार्थनापत्र हाजा में पक्षकार मुकदमा गैरसायलान बनाया गया है।

प्रार्थना पत्र के मद नं. 5 में दर्ज किया है कि आराजीयात वर्णित मद नं. 02 प्रार्थनापत्र पक्षकारान् की सहखातेदारी व कब्जेकास्त की भूमि है कि जो आबादी व सडक के नजदीक बेशकीमती भूमि होने से कास्त व उपयोग-उपभोग के समय हिस्सा व डौलमेड को लेकर, भूमि के उपयोग-उपभोग बाबत पक्षकारान् के मध्य आये दिन वाद विवाद की स्थिति बनी रहती है।

प्रार्थना पत्र के मद नं. 6 में दर्ज किया है कि सायलान ने दिनांक 20.05.2025 को उक्त आराजीयात वर्णित मद नम्बर 02 प्रार्थनापत्र का अविलम्ब ही तहसील सूरौठ में चलकर विधिवत विभाजन कराने व लगान का अलग-अलग निर्धारण कराने के लिये गैरसायलान से कहा तो गैरसायलान आनाकानी करने लगे व बार-बार कहने पर गैरसायलान ने उक्त वर्णित आराजीयात का विधिवत विभाजन कराने से साफ इंकार कर दिया व गैरसायलान बिना विधिवत बटवारा / विभाजन कराये भूमि को कृषि से अकृषि कार्य में परिवर्तित करने एवं भूमि की मौका स्थिति को बदलने पर आमामदा है, गैरसायलान ने सायलान को आराजीयात से बेदखल कर अपना नाजायज कब्जा करने व दीगर लोगो को

  
उपखण्ड अधिकारी  
हिण्डौन सिटी ( करौली )

रहन वय करने की धमकी दी है और कहा है कि हमने बाहुवली व पैसे वाले लोगो से भूमि बेचान का करार कर लिया है. शीघ्र ही सायलान को उक्त लोगो के द्वारा बेदखल करवाकर उनका कब्जा करवायेंगे। गैरसायलान ने सायलान की हकूक खातेदारी को भी इंकार कर दिया है। सायलान को यह पूरा-पूरा अंदेशा हो गया है, कि गैरसायलान कभी भी सायलान के हक हकूक को प्रभावित कर सकते है, अगर गैरसायलान अपने उक्त मंसूबे में कामयाब हो गये तो सायलान को अपूर्तणीय क्षति पहुँचेगी, जिसकी क्षतिपूर्ति होना किसी भी मांति संभव नहीं हो सकेगी, इसलिये प्रार्थना पत्र सायलान विरुद्ध गैरसायलान पेश करना आवश्क हुआ है।

प्रार्थना पत्र के मद नं. 7 में दर्ज किया है कि प्राईमाफेसी केश, व सुविधा का संतूलन एवं अपूर्तनीय क्षति का बिन्दू भी सायलान के पक्ष में बखूबी साबित है।

अतः प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा पेश कर निवेदन है कि प्रार्थना पत्र स्वीकार फरमाया जाकर गैरसायलान् को जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा से ताफैसला दावा इस प्रकार पाबन्द फरमाया जावे कि सायलान की खातेदारी व कब्जेकाशत की की आराजीयात खसरा नम्बर 2242 रकवा 0.35 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 2243 रकवा 0.42 हैक्टेयर, कुल किता 2 कुल रकवा 0.77 हैक्टेयर ग्राम सूरौठ तहसील सूरौठ जिला करौली (राज०) में सायलान के कब्जे काशत व उपयोग उपभोग में किसी प्रकार की मजामहत, मदाखलत नहीं करें, भूमि को सायलान को शान्तिपूर्वक उपयोग उपभोग करने देवे, भूमि से वादी को बेदखल नहीं करे, एवं उक्त भूमि को बिना विधिवत विभाजन कराये दीगर व्यक्ति को रहन वय नहीं करें। कोई कच्चा या पक्का निर्माण नहीं करें। गैरसायलान ऐसा कोई कार्य ना तो स्वयं करे और ना ही किसी अन्य से करावे, ताकी सायलान के हक हकूको की हकतल्फी नहीं हो, गैरसायलान भूमि के रिकॉर्ड व मौके की स्थिति यथावत बनाए रखे।

प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर गैरसायलान को जरिये नोटिस तलब किया गया। दिनांक 28.07.2025 को गैरसायल सं० 2,3,5,6 बावजूद तामील उपस्थित नहीं हुए इसलिए उनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई। गैरसायल सं० 1 व 4 कीओर से श्री नरेन्द्रसिंह जादौन एडवोकेट ने उपस्थित होकर बकालतनामा पेश किया तथा दिनांक 19.08.2025 को जबाव प्रार्थना पत्र पेश कर जवाब प्रार्थना पत्र के मद नं. 1 में दर्ज किया है कि प्रार्थना पत्र के पैरा-1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 में दर्ज तथ्य जिस प्रकार तहरीर किए हैं, गलत है स्वीकार नहीं है, प्रार्थना पत्र के पैरा-2 में वर्णित आराजी सायलान एवं गैरसायल सं. 1 ता 5 की संयुक्त खातेदारी एवं कब्जेकाशत की आराजी अवश्य है, जिसके संबंध में काफी अर्सा पूर्व से काशत की सुविधा के लिए पक्षकारान ने अपने-अपने हिस्से अनुरूप

  
उपरब्रह्म अधिकारी  
हिण्डौन सिटी ( करौली )

बाहरी बंटवारा कर रखा है, आज भी गैरसायल 1 ता 5 अपने हिस्से के अनुरूप उपरोक्त वर्णित संयुक्त आराजी में से मीट्स एण्ड बाउण्ड्स के आधार पर विधिवत बंटवारा करवाने के लिए तैयार व तत्पर हैं, फिर भी सायलान द्वारा पैरा-6 में काल्पनिक व झूठी बातें व वादकारण दर्ज कर गैरसायल सं. 1 ता 5 के हिस्से, खातेदारी की भूमि को विवादित बनाने के लिए विधि विरुद्ध रूप से हस्तगत प्रार्थनापत्र पेश किया है जो खारिज किये जाने योग्य है।

### उज्जात मजीद

जवाब प्रार्थना पत्र के मद नं. 2 में दर्ज किया है कि मुकदमा हाजा में विवादित आराजी खसरा नं. 2242 व 2243 स्थित ग्राम सूरौठ, तहसील सूरौठ के गैरसायल सं. 1 एवं गैरसायल सं 2 ता 5 की माँ लक्ष्मीबाई रिकॉर्डेड खातेदार हैं जिन्हें विधिक रूप से जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा पाबंद किये जाने से उनके खातेदारी अधिकारों के उपयोग उपभोग में अवरोध पैदा होता है, खातेदार को जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा पाबंद किया जाना विधिक रूप से अनुज्ञेय नहीं है।

जवाब प्रार्थना पत्र के मद नं. 3 में दर्ज किया है कि सायलान द्वारा धारा-151 जा.दी. के विधिक प्रावधानों का गलत रूप से परिशीलन कर विधि विरुद्ध रूप से जाब्ता दीवानी के आदेश-39 नियम-1, 2 में अस्थायी निषेधाज्ञा के लिए स्पेसिफिक प्रावधान होते हुए भी एवं उक्त प्रावधान का वाद के साथ प्रस्तुत अस्थाई निषेधाज्ञा प्रार्थनापत्र पेश करने में सायलान द्वारा उपयोग करके भी अस्थाई निषेधाज्ञा के लिए दो अलग-अलग प्रकरण न्यायालय हाजा में विधि विरुद्ध रूप से पेश किए हैं जो खारिज किये जाने योग्य है।

जवाब प्रार्थना पत्र के मद नं. 4 में दर्ज किया है कि गैरसायल सं. 1 ता 5 विवादित भूमि के रिकॉर्डेड खातेदार व अपने हिस्से पर काबिज काशतकार व्यक्ति हैं जिन्हें विधिक रूप से जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा पाबंद किया जाना अनुज्ञेय नहीं है इसलिए भी प्रार्थना पत्र खारिज किए जाने योग्य है।

अतः जवाब प्रार्थनापत्र पेश कर निवेदन किया है कि प्रार्थना पत्र सायलान मय हर्जा खर्चा खारिज फरमाया जावे।

वकील सायलान ने दस्तावेजी सबूत में फोटो प्रति नकल जमाबन्दी 2071-74 पेश की हैं।


वकुलाय फरीकेन उपस्थित। वकुलाय फरीकेन की बहस सुनी गई। वकील सायलान ने दौराने बहस प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को दौहराया है और सायलान का

  
उपरखण्ड अधिकाारी  
हिण्डौन सिटी ( करौली )

प्रार्थना पत्र स्वीकार करने का निवेदन किया है इसके विपरीत वकील गैरसायलान ने जबाब प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को दौहराया है और सायलान का प्रार्थना पत्र खारिज किये जाने का निवेदन किया है।


वकुलाय फरीकेन की बहस पर मनन किया तथा पत्रावली का अवलोकन किया। नकल जमाबन्दी 2071-74 के अनुसार विवादित आराजी खसरा नम्बर 2242 रकबा 0.35 है0, 2243 रकबा 0.42 है0 कुल किता 2 कुल रकबा 0.77 है0 वाके ग्राम सूरौठ तहसील सूरौठ की खातेदारी दीपचन्द पुत्र रामकिशन हि0 1/6, पप्पू पुत्र रामकिशन हि0 1/6, रामेश्वर पुत्र रामकिशन हि0 1/6, लक्ष्मीदेवी पत्नि पूरनमल हि0 1/4, सुगनबाई पत्नि मंगतीराम हि0 1/4 जातियान जाटव सा0ग्राम खातेदार के नाम दर्ज रिकार्ड है।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर यह स्पष्ट है कि विवादित आराजी खसरा नम्बर 2242 रकबा 0.35 है0, 2243 रकबा 0.42 है0 कुल किता 2 कुल रकबा 0.77 है0 वाके ग्राम सूरौठ तहसील सूरौठ की खातेदारी दीपचन्द पुत्र रामकिशन हि0 1/6, पप्पू पुत्र रामकिशन हि0 1/6, रामेश्वर पुत्र रामकिशन हि0 1/6, लक्ष्मीदेवी पत्नि पूरनमल हि0 1/4, सुगनबाई पत्नि मंगतीराम हि0 1/4 जातियान जाटव सा0ग्राम खातेदार के नाम दर्ज रिकार्ड है। खातेदार लक्ष्मीदेवी पत्नि पूरनमल हि0 1/4 फौत हो चुकी है। जिसके वारिसान गैरसायल सं0 2 ता 5 प्रार्थना पत्र में अंकित किये हैं। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि सायलान एवं गैरसायल सं0 1 तथा खातेदार लक्ष्मीदेवी पत्नि पूरनमल हि0 1/4 के स्थान पर उसके वारिसान गैरसायल सं0 2 ता 5 काश्तकार हैं। इस प्रकार विवादित आराजीयात के सायलान एवं गैरसायलान रिकोर्डेड सहखातेदार काश्तकार हैं तथा संयुक्त खातेदारी की भूमि के प्रत्येक इंच भू-भाग पर रिकोर्डेड प्रत्येक सहखातेदार का कब्जा काश्त माना जाता है जब तक कि उन खातेदारों के मध्य विधिवत रूप से बंटवारा होकर पृथक पृथक खाता व लगान कायम नहीं हो जाता है। ऐसी स्थिति में यदि गैरसायलान को जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द कर दिया गया तो उससे गैरसायलान के अधिकारों पर विपरीत प्रभाव पडने की पूर्ण सम्भावना प्रतीत होती है। जबकि गैरसायलान को जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द नहीं किये जाने पर सायलान को कोई क्षति किसी प्रकार की होने की कोई सम्भावना प्रतीत नहीं होती है। इस प्रकार सायलान का प्रथम दृष्टया केस, सुविधा का सन्तुलन एवं अपूर्तनीय क्षति का बिन्दू सायलान के पक्ष में साबित न होकर गैरसायलान के पक्ष में बखूबी साबित है। ऐसे हालात में सायलान का प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा विरुद्ध गैरसायलान अस्वीकार किये जाने योग्य न्यायोचित प्रतीत होता है।

  
उपखण्ड अधिकारी  
हिण्डौन सिटी ( करौली )

अतः सायलान का प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा विरुद्ध गैरसायलान विवादित आराजी खसरा नम्बर 2242 रकबा 0.35 है०, 2243 रकबा 0.42 है० कुल कित्ता 2 कुल रकबा 0.77 है० वाके ग्राम सूरौठ तहसील सूरौठ अस्वीकार किया जाता है। पत्रावली फँसल सुमार होकर बाद तकमील नम्बर से कम की जाकर मूल दावा के साथ शामिल मिसल रहे।

निर्णय आज दिनांक 27.10.2025 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
( हेमराज गुर्जर ) 27/10/25  
उपखण्ड अधिकारी करारी  
हिण्डोबिण्डो जिला न्यायालय (करारी)